IJAMSR

International Conference on Latest Trends in Engineering, Management, Humanities, Science & Technology (ICLTEMHST -2022)
27th November, 2022, Guwahati, Assam, India.

CERTIFICATE NO : ICLTEMHST /2022/C1122936

ग्रामीण क्षेत्र में लैंगिक असमानता का अध्ययन

HASBUN NISHA

Research Scholar, Department of Education,
Sri Satya Sai University of Technology & Medical Sciences, Sehore, M.P.

सारांश

वर्तमान में उत्तर – प्रदेश के चन्दौली जिले के क्षैतिज विवरण पर दृष्टिपात करने पर स्पष्ट होता है कि, सबसे अधिक 'ग्रामीण पुरूष – स्त्री साक्षरता अन्तराल' चहनियाँ' तथा 'सकलडीहा' विकास खण्डों में है। इसी क्रम में धानापुर एवं बरहनी, नियमताबाद में भी शिक्षा के स्तर को लैंगिक असमानता ने प्रभावित किया है। ग्रामीण क्षेत्रों में इस मानसिकता की अवधारणा नयी नही है, क्योंकि इतिहास इस बात का साक्षी है कि आदिकाल से ही परिवार का स्वामित्व आयु की दृष्टि से श्रेष्ठ पुरूष सदस्य के हाथ में रहता था जिसने स्त्री को हमेशा परावलम्बी बनाए रखा। कानून ने भी स्त्री को पुरूषों से नीचे स्तर पर ही रखा। स्त्री को 'अन्या' कहा गया। वह पुरूष वर्ग से भिन्न एवं निम्न प्राणी की कोटि में रखी गयी। इस व्यवस्था के द्वारा पुरूषों को न केवल आर्थिक विशेषाधिकार मिला बल्कि ,उसके मिथ्या दार्शनिक और नैतिक विचारों की भी पुष्टि हुई। परिणामस्वरूप पुरूष ने आदिकाल से ही स्त्रियों पर अपना उपनिवेशवाद कब्जा कर रखा है। लिंगीय असमानता भौतिक दृष्टि के साथ–साथ मानसिक विचारों में भी परिलक्षित होती है।